बी.एस.के.सी.-133

बी.ए. (सामान्य) संस्कृत
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022

बी.एस.के.सी.-133 : संस्कृत नाटक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

खण्ड क
व्याख्या आधारित प्रश्न

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : *2×15=30*

(क) वनगमननिवृत्तिः पार्थिवस्यैव तावन् –
मम पितृपरवत्ता बालभावः स एव ।
नवनृपतिविमर्शे नास्ति शङ्का प्रजाना –
मथ च न परिभोगैर्वञ्चिता भ्रातरो मे ।।

अथवा

ताते धनुर्नमयि सत्यमवेक्षमाणे
मुञ्चानि मातरि शरं स्वधनं हरन्त्याम् ।
दोषेषु बाह्यमनुजं भरतं हनानि
किं रोषणाय रुचिरं त्रिषु पातकेषु ।।

(ख) क्षौमं केनचिदिन्दुपाण्डुतरुणा माङ्गल्यमाविष्कृतं
निष्ठ्यूतश्चरणोपरागसुभगो लाक्षारसः केनचित् ।
अन्येभ्यो वनदेवताकरतलैरापर्वभागोत्थितै –
र्दत्तान्याभरणानि नः किसलयोद्भेदप्रतिद्वन्द्विभिः ।।

अथवा

यस्य त्वया व्रणविरोपणमिङ्गुदीनां
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।
श्यामाकमुष्टिपरिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ।।

खण्ड ख

लघु उत्तरीय प्रश्न

2. नाट्य की उत्पत्ति के छायानाटक तथा पुत्तालिका नृत्य सिद्धांतों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए । *5*

3. रूपक के भेद व्यायोग को लक्षण एवं उदाहरण सहित समझाइए । *5*

4. 'प्रतिमानाटकम्' इस नामकरण के औचित्य पर प्रकाश डालिए । *5*

5. 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इस उक्ति की सार्थकता का विवेचन कीजिए । *5*

6. नाट्य में अर्थोपेक्षकों के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *5*

खण्ड ग
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

7. कालिदास के प्रकृति चित्रण की समीक्षा कीजिए । *10*

8. नाटककार भास के व्यक्तित्व एवं नाट्यसाहित्य का विवेचन कीजिए । *10*

9. शकुन्तला **अथवा** राम के चरित्र का चित्रण पठित नाटकों के आधार पर कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *3×5=15*

(क) धीरोह्धतनायक

(ख) भरतवाक्य

(ग) आकाशभाषित

(घ) जनान्तिक